४०२/३३०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१२)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग प्रवेश - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''काशीदास मोटा का घर जल गया था, तो उसको बुझाने हम गये थे ।'' (३४)

२. ''अत: हमलोग इन्द्र की पूजा न करके गोवर्धन की पूजा करें ।'' (४३)

३. ''मेरे भाई मेरे विरुद्ध कभी एक शब्द भी नहीं बोलते ।'' (२४)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. राघवानन्द एवं विश्वात्मानन्द यमभटभेरे साधु नाम से प्रख्यात थे । (५९)

२. प्रबोधिनी एकादशी का दिन सम्प्रदाय में बहुत महत्त्व पूर्ण है । (४४)

३. दुबली भट्ट के समधी अन्धे हो गये । (३९)

प्र.३ 'भुज की लाधीबाई ।' (३६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. वचनामृत का पान करने से क्या होता है ? (५९)

२. जालमसिंह बापू किस लिए अपने गाँव की ओर चल पड़े ? (६७)

३. झमकूबा किस के साथ ब्याही थी ? (५५)

४. संतों ने देवजीभाई को कैसी बातें सुनाई ? (२५)

५. सगराम ने तोड़े पर क्या डाल दिया ? (१३)

प्र.५ 'सत्संग हो भी जाये.....' (७२) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. मान तजी सन्तन के ..... मन दीजे । (१८-१९)

२. नहीं डरते नहीं ..... गान के लिए । (शौर्यगीत)

३. एकान्तिकं ..... नमामि ॥ (२१)

४. श्रद्धावान् लभते ..... गच्छति ॥ (६६) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''मन्दिरों की स्थापना के लिये ही तो मेरा जन्म हुआ है ।' (७९)

२. ''अत: दीक्षा देने की शीघ्रता करना ठीक नहीं है ।'' (२०)

३. ''शास्त्री यज्ञपुरुषदास पृथ्वी का बोझ हल्का करने के लिए ही आये हैं, कोई दु:खी नहीं होगा ।'' (८५)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. शंकराचार्य माधवतीर्थ को शास्त्रीजी महाराज पर मान पैदा हुआ । (५९)

२. सभी हरिभक्तों ने स्वामीश्री की सुवर्णतुला करने का निर्णय किया । (९४)

३. विहारीलालजी महाराज ने डुंगर भक्त को उलहना दिया । (१४)

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. अटूट विश्वास (७५) २. दिल की सफाई का साधन (३२) ३. अभयदान देने की आज्ञा (३८)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. मोतीभाई किसको लेकर बाहर निकले ? (४३)

२. गढ़डा में टीले पर की भूमि के बारे में श्रीजीमहाराज ने क्या कहा था ? (९५)

३. योगी स्वामी गोंडल जाने के लिये स्वामीश्री के पास आज्ञा माँगने पहुँचे तो स्वामीश्री ने क्या कहा ? (९९)

४. स्वामीश्री के पास जाकर सयाजीराव क्या बोले ? (७६)

५. विज्ञानानन्द स्वामी ने डुंगर भक्त को क्या पूछा ? (१४)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. अजोड़ विद्वत्ता । (३१-३२)

(१) ☐ रंगाचार्य ने संप्रदाय के विद्वानों को शास्त्रार्थ के लिये ललकारा ।

(२) ☐ इस सम्प्रदाय में ऐसा यह एक ही व्यक्ति है ।

(३) ☐ यज्ञपुरुषदासजी ने सोचा, ''स्वामिनारायण सम्प्रदाय की प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल जायेगी ।''

(४) ☐ रंगाचार्य ने हार मान ली और यज्ञपुरुषदासजी को प्रणाम किया ।

२. अड़सठ तीर्थ । (८०)

(१) ☐ योगीजी महाराज ने सुबह ''अधम उद्धारण अविनाशी तारा'' भजन गाया ।

(२) ☐ भजन सुनकर कानजी भगत को अच्छा नहीं लगा ।

(३) ☐ गाय जाती हुई चन्द्र के प्रकाश में थोड़ी देर तक दिखाई दी, उसके बाद वह अदृश्य हो गई ।

(४) ☐ गाय ने स्वामीश्री को तीन बार मस्तक नर्वाया ।

३. गुरुशिष्य का प्रेम (२६)

(१) ☐ यज्ञपुरुषदासजी ने प्रसादी के बेले की कलियों का हार और माला भगतजी महाराज को भेंट के रूप में भेजा था ।

(२) ☐ चाणसद में दाजीभाई ने यह भेंट भगतजी को अर्पित की ।

(३) ☐ भगतजी बोले, 'गज़ब कर दिया यज्ञपुरुषदास ! तुमने गज़ब कर दिया ।'

(४) ☐ वह दुबारा क्यों जायेगा ?

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : **विद्यारम्भ :** एक समय पीज गाँव में एक माणभट्ट आये, वे धातु की थाली बजाकर रामायण की कथा कहते थे । प्रागजी भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

उत्तर : **विद्यारम्भ :** एक समय **वसो** गाँव में एक माणभट्ट आये, वे माणमिट्टी की गोल बड़ी गगरी बजाकर **महाभारत** की कथा कहते थे । **डुंगर** भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

१. **जागा भक्त के आशीर्वाद :** कोठारी भीमजीभाई ने जागा भक्त को सभा में अथवा अपने आसन पर कथावार्ता करने की मना कर दी । (३४)

२. **विद्यारंभ :** सुन्दरभाई ने डुंगर भक्त को कहाँ, ''मैं तुझे करमसद की अंग्रेजी पाठशाला में पढ़ाकर ऐसा विद्वान बनाऊँगा कि जिससे भविष्य में तू इस अंग्रेजी राज्य का बड़ा अफसर बनेगा ।'' (१०)

३. **ठटकीला बिच्छू :** तुमने तो हद कर दी, हम सबके काम, क्रोध और लोभ आदि दुर्भाव गला दिये । (३०)

४. **गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव :** शुकदेवजी भागवत जितनी अच्छी तरह समझा सकते हैं, उतनी अच्छी तरह शायद मोरलीधर भी नहीं समझा सकते हैं । क्यों कि शुकदेवजी तो साक्षात् विष्णु का स्वरूप ही है । (९०)

५. **सच्चे गुरुभक्त :** गढड़ा में हरिजयंती के समैया के अवसर पर प्रागजी भक्त को आमंत्रित करने के लिये यज्ञपुरुषदासजी ने आचार्य महाराज को निवेदन किया । (३७)

६. **ऐसे शास्त्रीजी महाराज को हमारे लाखों वन्दन हों :** शास्त्रीजी महाराज संवत् २००९, श्रावण शुक्ला चतुर्थी के दिन अन्तर्धान हो गये । (१०१)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २०१२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना :** **सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/